Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

D 3 3 1 5

PAPER - III
DOGRI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 150**

Number of Pages in this Booklet : **20**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

DOGRI

डोगरी

PAPER - III

प्रश्नपत्र - III

नोट : इस पेपर च **पंज्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न। हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न। **सभनें** सुआलें दे परते देओ।

1. फ्रांत्स बोप :

(a) दा समां बीह्मीं सदी दा पैह्ला चरण ऐ।

(b) दी पैह्ली पुस्तक 'धातु प्रक्रिया' ऐ।

(c) दी अगली पुस्तक 'वाक्य पदीयम्' ऐ।

(d) ने भाशा दे तुलनात्मक पक्खै पर बल दित्ता।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (c) ठीक न। (4) (b) ते (d) ठीक न।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	जूल ब्लाक	(i) An Outline of Indian Philology
(b)	जॉन बीम्स	(ii) हिन्दी शब्दानुशासन
(c)	कामता प्रसाद गुरु	(iii) मराठी दी संरचना
(d)	किशोरी दास वाजपयी	(iv) हिन्दी व्याकरण

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

3. धातु रूपग्राम, व्याकरणिक प्रत्यय रूपग्राम, पूर्वसर्ग रूपग्राम ते परसर्ग रूपग्राम दे क्रम दे स्हाबें इ'नें रूपग्रामें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) { टुर् }, { बे - }, { - अदा }, { - मंद } (2) { - अदा }, { बे - }, { - मंद }, { टुर्}

(3) { बे - }, { - अदा }, { टुर् }, { - मंद } (4) { टुर् }, { - अदा }, { बे - }, { - मंद }

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : वक्ता दे बोलने बेल्लै परिस्थिति दा प्रसंग बी संपादन दा विशे ऐ।

(R) : की जे हर नमें प्रसंग च बोल्लेआ गेदा कोई शब्द इक नमां गै शब्द लभदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

5. 'कोह्ड़ा' ते 'घोड़ा' शब्दें च अर्थ-भेद करने आह्ला तत्त्व ऐ :

(1) मात्रा (2) सुर (3) बलाघात (4) विवृति

6. वैदिकी :

(a) दा सभनें थमां पराना रूप ऋग्वेद संहिता च मिलदा ऐ।

(b) गी 'छांदस' बी गलाया जंदा ऐ।

(c) दा समां ई.पू. 500 तगर ऐ।

(d) च लौकिक-संस्कृत कशा रूपें दी बहुलता मिलदी ऐ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (d) ठीक न। (4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) ज	(i) स्पर्श
(b) श	(ii) संघर्शी
(c) ड़	(iii) स्पर्श - संघर्शी
(d) फ	(iv) उढ़कना

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

8. उच्चा-ढलदा सुर, नींदा-चढ़दा सुर, मात्रा ते विवृति खंडेतर ध्वनियें दे क्रम दे स्हाबें इंदे जोड़ें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) कर-घर, मत-मत्त, कर + इ'यै = करियै, गल्ल-ग'ल्ल

(2) गल्ल-ग'ल्ल, कर-घर, मत-मत्त, कर + इ'यै = करियै

(3) मत-मत्त, कर + इ'यै = करियै, कर-घर, गल्ल-ग'ल्ल

(4) गल्ल-ग'ल्ल, कर + इ'यै = करियै, मत-मत्त, कर-घर

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : डोगरी लिपि च साहित्य नेईं लखोने बारै केईं कारण जिम्मेदार रेह् न।

(R) : मनासब ढंगा कन्नै सरकारी संरक्षण नेईं मिलना बी इक कारण हा।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

10. इंदे च विधेय विशेशनात्मक प्रयोग ऐ :

(1) नरोआ म्हौल (2) नरोआ जागत (3) नरोआ साक (4) नरोआ लब्भा

11. सहायक क्रिया :

(a) आमतौरा पर संयुक्त क्रियाएं च बरतोंदी ऐ।

(b) मुक्ख क्रिया दे अर्थ च कोई तब्दीली नेईं आह्नदी।

(c) च व्याकरणिक कोटियें लेई रूपायन होंदा ऐ।

(d) सधारण क्रिया कन्नै बी बरतोंदी ऐ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (c) ठीक नेईं। (4) (a) ते (c) ठीक न।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	क्रिया विशेशन + परसर्ग	(i)	रातोरात
(b)	क्रिया विशेशन + मध्यवर्ग	(ii)	इस बेल्लै
(c)	सर्वनाम + कोई तत्त्व	(iii)	केईं बारी
(d)	विशेशन + कोई तत्त्व	(iv)	हुनै

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

13. समुच्चय बोधक, संबंध सूचक, क्रिया विशेशन ते विस्मय बोधक अव्ययें दे क्रम दे स्हाबें इ'नें अव्ययें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) ते फ्ही, झूठें, अच्छा!, बदलै (2) बदलै, झूठें, ते फ्ही, अच्छा!

(3) ते फ्ही, बदलै, झूठें, अच्छा! (4) ते फ्ही, झूठें, बदलै, अच्छा!

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : विस्मय सूचक अव्यय व्याकरणिक द्रिश्टी कन्नै कोई खास म्हत्तव नेईं रखदे।

(R) : एह् मनोभावें दी शिद्दत व्यक्त करने च मदद करदे न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

15. इं'दे च साधन - सूचक संबंधबोधक अव्यय ऐ :

(1) राहें (2) सनै (3) बारै (4) करी

16. कवि शम्भूनाथ :

(a) महाराजा प्रताप सिंह दे समें च कविता करदे हे।

(b) महाराजा हरिसिंह दे समें च कविता लिखदे हे।

(c) डोगरी भाशा दे पैह्ले महाकाव्य दे लेखक न।

(d) हुंदा 'भड़ास' कविता - संग्रैह् ऐ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (b) ते (d) ठीक न।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	सरिश्ता	(i)	खजूर सिंह
(b)	सुच्चियां सम्हालां	(ii)	ध्यान सिंह
(c)	ललकार	(iii)	बलवान सिंह जमोड़िया
(d)	सोच अपनी-अपनी	(iv)	प्रकाश प्रेमी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

18. रत्न दोशी, शिवदेव सिंह सुशील, डॉ. अरविंद ते वेदराही कवियें दे क्रम दे स्हाबें इं'दियें रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) चुप्प रेहियै प्रार्थना कर, ब्हा किश देही झुल्लै परती, कैक्टस ते मेरा सफर मेरे साथी।

(2) कैक्टस, ब्हा किश देही झुल्लै परती, मेरा सफर मेरे साथी ते चुप्प रेहियै प्रार्थना कर।

(3) चुप्प रेहियै प्रार्थना कर, कैक्टस, ब्हा किश देही झुल्लै परती ते मेरा सफर मेरे साथी।

(4) मेरा सफर मेरे साथी, कैक्टस, ब्हा किश देही झुल्लै परती ते चुप्प रेहियै प्रार्थना कर।

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : डोगरी कविता केइयें विधाएं च लखोआ करदी ऐ पर दोहें दी गिनती बड़ी घट्ट ऐ। हुनै तगर दोहे दियां दो कताबां गै छपी दियां न। इक निर्मल विनोद दी 'निर्मल सतसेई' ते दूई सीता राम सपोलिया दी 'मैह्क फुल्लें दी'।

(R) : निर्मल विनोद दी दोहें दी गै कताब ऐ पर मैह्क फुल्लें दी भलेआं दोहें दी कताब नेईं ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

20. इं'दे चा चमुखें दा संग्रैह् ऐ :

(1) रत्तू दा चानन (2) कूंज कतारां (3) धौंथियां (4) कोरज

21. 'कुंवर वियोगी' ऐ :

(a) गीतें दा माहिर। (b) इश्क-प्यार दा कवि।

(c) नमें-नमें प्रयोग करने आह्ला कवि। (d) इक मश्हूर लम्मी कविता दा लेखक।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न। (4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	अस लोक	(i)	श्याम दत्त पराग
(b)	इक बारी दी गल्ल	(ii)	मोहन सिंह
(c)	धारां ते फुहारां	(iii)	शिवराम 'दीप'
(d)	चल चलचै ग्रांऽ	(iv)	दूनी चंद त्रिपाठी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

23. लम्मी कविता, गीत, गज़ल ते स्वछंद कविता क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ती दियें कताबें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) चाननी, औंसियां, मेरी बस्ती मेरे लोक ते पीड़ पखेरु सुन्नै गास।

(2) पीड़ पखेरु सुन्नै गास, मेरी बस्ती मेरे लोक, चाननी ते औंसियां।

(3) औंसियां, पीड़ पखेरु सुन्नै गास, चाननी ते मेरी बस्ती मेरे लोक।

(4) चाननी, पीड़ पखेरु सुन्नै गास, औंसियां ते मेरी बस्ती मेरे लोक।

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : डोगरी च क्हानियां भामें बड़ी मती तदाद च लखोइयां ते छपियां न पर उं' दे च अज्जै दे समाजी ते राजनैतिक विशें बारै अक्कासी बड़ी घट्ट ऐ।

(R) : आतंकवाद, भ्रश्टाचार, समाज च नारी कन्नै बेइंसाफी, समाजी वर्गें बश्कार फर्कोफर्की आदि बारै डोगरी च बेशमार क्हानियां लखोइयां ते छपी दियां न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

25. इं'दे च फिल्मी दुनिया पर अधारत उपन्यास ऐ :

(1) त्रुट्टी दी डोर (2) मनसूर ते शकीला दी दास्ताने इश्क

(3) सरबंध (4) खाली अंबर

26. 'नायक' क्हानी संग्रैह् :

(a) दे लेखक बंधु शर्मा होर न।

(b) दियां क्हानियां पात्रें दी मन:स्थिति दा जानदार चित्रण करदियां न।

(c) च मिथकें दा प्रयोग आधुनिक संदर्भें च होए दा ऐ।

(d) च मिथकें गी परंपरागत ढंगा कन्नै बरतियै सफल प्रयोग कीता गेदा ऐ।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (c) ठीक न। (4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	स्वदेश	(i) सांझी धरती बखले माह्नू
(b)	वेद	(ii) फुल्ल बिना डाल्ली
(c)	ध्यान सिंह	(iii) बदसीस
(d)	रंजीत	(iv) द्रेड़

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

28. नारी शोशन, आतंकवाद, भ्रश्टाचार ते विधवा नारी दी मनोभावना विशेचित्रण दे क्रम दे स्हाबें इं'दी क्हानियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) कंगनू, सीट नंबर 19 , आखर बेताल बोल्लेआ, कैह्र

(2) कैह्र, आखर बेताल बोल्लेआ, कंगनू, सीट नंबर 19

(3) सीट नंबर 19, कंगनू , कैह्र, आखर बेताल बोल्लेआ

(4) आखर बेताल बोल्लेआ, कंगनू, कैह्र, सीट नंबर 19

29. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : डोगरी उपन्यासें च दलित-वर्ग समस्या दा चित्रण नेईं दे बरोबर मिलदा ऐ।

(R) : गौण रूपा च दलित-वर्ग दे जीवनयापन दा चित्रण जित्थै-कुतै जरूर लब्भी जंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

30. इं'दे च 2014 ब'रे च प्रकाशत क्हानी संग्रैह् ऐ :

(1) सुक्खन (2) न्हेरा ते लोऽ (3) सोचें दी रीह्ल (4) असली वारस

31. अजादी पैह्ले दी गद्य पुस्तक राजौली ऐ :

(a) संसार दी नश्वरता ते जीवन दे नराशावादी द्रिश्टीकोण दी।

(b) संसारी ऐश्वर्य भोगने सरबंधी।

(c) मूल फारसी।

(d) डोगरी - कांगड़ी।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न। (4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	दिन-दिन जोत सोआई	(i) प्रकाशक साहित्य अकादेमी
(b)	रम्जी सीरां	(ii) प्रकाशक डोगरी, संस्था
(c)	निक्के-निक्के निबंध	(iii) प्रकाशक रियास्ती कल्चरल अकैडमी
(d)	अक्खर-अक्खर चाननी	(iv) मानवी प्रकाशन

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

33. फुम्मनी, दुक्ख, जजूली ते मतलबी निबंधें दे स्हाबें हेठ दित्ते गेदे निबंध-लेखकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) बालकृष्ण शास्त्री, नरसिंह देव जम्वाल, ललित मगोत्रा ते विश्वनाथ खजूरिया।

(2) विश्वनाथ खजूरिया, बालकृष्ण शास्त्री, नरसिंह देव जम्वाल ते ललित मगोत्रा।

(3) बालकृष्ण शास्त्री, नरसिंह देव जम्वाल, ललित मगोत्रा ते विश्वनाथ खजूरिया।

(4) बालकृष्ण शास्त्री, विश्वनाथ खजूरिया, ललित मगोत्रा ते नरसिंह देव जम्वाल।

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : मनोविज्ञानक निबंधें च मनुक्खी मनोविकारें ते माह्नू दियें बुनियादी तृष्णाएं ते लालसाएं दी अक्कासी कीती गेदी होंदी ऐ।

(R) : निबंध लेखक दा मुक्ख उद्देश्य मनुक्खी मनोविज्ञान दी अनबुज्झ बुझारत गी सुलझाने दे कन्नै-कन्नै पाठकें गी मनोविकारें कन्नै परिचित करोआना होंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

35. इं'दे चा व्यंगात्मक निबंध ऐ :

(1) पलाहें दी श्रद्धांजली (2) भुलक्कड़पुना (3) अक्खरें दा नशा (4) भौगला बेल्ला

36. 'बूरे दे लड्डू' ऐ :

(a) डॉ. संसार चन्द्र हुंदा निबंध-संग्रैह्।

(b) डोगरी संस्था पासेआ प्रकाशत निबंध-संग्रैह्।

(c) हिंदी-पंजाबी निबंधें दा अनूदित संग्रैह्।

(d) मूल डोगरी निबंधें दा संग्रैह्।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न।

(4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**	
(a)	कुत्ते	(i)	विश्वनाथ खजूरिया
(b)	दुक्ख	(ii)	ललित मगोत्रा
(c)	पन्छान	(iii)	नरसिंह देव जम्वाल
(d)	मतलबी	(iv)	बाल कृष्ण शास्त्री

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

38. निबंध दियें शैलियें- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, विचारात्मक ते भावात्मक - दे स्हाबें हेठ दित्ती दियें पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मेरी शकार यात्रा, ओह् इक सफर, औना त्राकिया ते बौह्ना मझाटै ते मेरी जन्मभूमि रामनगर।

(2) ओह् इक सफर, मेरी शकार यात्रा, औना त्राकिया ते बौह्ना मझाटै ते मेरी जन्मभूमि रामनगर।

(3) मेरी जन्मभूमि रामनगर, औना त्राकिया ते बौह्ना मझाटै, मेरी शकार यात्रा ते ओह् इक सफर।

(4) मेरी जन्मभूमि रामनगर, मेरी शकार यात्रा, औना त्राकिया ते बौह्ना मझाटै ते ओह् इक सफर।

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : रंगमंची नाटकें च ऊ'आं ते हर चाल्ली दा अभिनय लाज़मी मन्नेआ जंदा ऐ पर आंगिक अभिनय पर किश मता गै बल दित्ता जंदा ऐ।

(R) : नाटक मंचन च कुसै बी चाल्ली दे अभिनय दी कमज़ोरी नाटक दी सफलता गी जोह् पजांदी ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

40. 'भगवान परशुराम' नाटक दे रचेता न :

(1) ध्यान सिंह (2) मोहन सिंह (3) ज्ञान सिंह (4) नरसिंह देव जम्वाल

41. 'लोक सेवा' ते 'नरसिंघें दी सत्ता' :

(a) नरसिंह देव जम्वाल हुंदे नाटक न। (b) देश बंधु डोगरा 'नूतन' हुंदे नाटक न।

(c) सन् 2013 ई. दे प्रकाशित नाटक न। (d) सन् 2011 ई. दे प्रकाशित नाटक न।

(1) (a) ते (c) ठीक न। (2) (b) ते (c) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (a) ते (d) ठीक न।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	दिवाकर	(i) सुर-सम्राट
(b)	शंकर	(ii) ऐतवार दी सैर
(c)	बावा जित्तो	(iii) अंगारे दी लोऽ
(d)	रंजीत	(iv) हिजरत

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

43. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें पंच परमेसर, सरकार, फैसला, जनौर नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) जनौर, फैसला, पंच परमेसर, सरकार (2) पंच परमेसर, जनौर, सरकार, फैसला

(3) पंच परमेसर, सरकार, जनौर, फैसला (4) जनौर, सरकार, पंच परमेसर, फैसला

44. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण कथन आखेआ गेआ ऐ :

(A) : नाटकें च अभिनय दे कन्नै-कन्नै वृत्तियें दा बी म्हत्त्वपूर्ण थाह्र ऐ।

(R) : वृत्तियें च भारती वृत्ति दे तैह्त पुरशें दे कन्नै-कन्नै स्त्रियें दा योगदान बी रौंह्दा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

45. 'मदारी' ते 'पिंजरा' नाटक न :

(1) राजराही ते नरसिंह देव जम्वाल हुंदे। (2) दीपक कुमार ते नरसिंह देव जम्वाल हुंदे।

(3) शिवराम 'दीप' ते नरसिंह देव जम्वाल हुंदे। (4) ध्यान सिंह ते ज्ञान सिंह हुंदे।

46. 'ओज गुण' दा प्रयोग होंदा ऐ :

(a) वीर रस च। (b) वीभत्स रस च। (c) रौद्र रस च। (d) करुण रस च।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न। (2) (a), (b) ते (c) ठीक न।

(3) (a), (c) ते (d) ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	रीति विशेश अर्थ च	(i) सरस्वतीकंठाभरण
(b)	राजशेखर	(ii) हर्षचरित
(c)	भोजराज	(iii) गुण-सिद्धांत
(d)	वाणभट्ट	(iv) कर्पूर मंजरी

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

48. 1844 - 96 ई., 1854 - 91 ई., 1838 - 1889 ई., 1856 - 1910 ई. क्रम दे स्हाबें प्रतीकवाद दे अनुयायियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) व्हिलिएर द लील एडम, जीन मोरियस, रिम्बोद ते वरलैन पाल।

(2) वरलैन पाल, व्हिलिएर द लील एडम, रिम्बोद ते जीन मोरियस।

(3) रिम्बोद, जीन मोरियस, व्हिलिएर द लील एडम ते वरलैन पाल।

(4) वरलैन पाल, रिम्बोद, व्हिलिएर द लील एडम ते जीन मोरियस।

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : आधुनिक गी आधुनिकता च बदलियै उत्तर-आधुनिकतावाद बनाया गेआ ऐ।

(R) : आधुनिकतावाद गी बुड्ढी पूंजीवाद दी औलाद मन्नेआ जंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

50. 'दशरूपक' दे रचेता न :

(1) महिम भट्ट (2) भट्ट नायक (3) धनञ्जय (4) ध्वनिक

51. यथार्थवाद दा सजीव चित्रण ऐ :

(a) कंढिया दा बस्सना कविता च। (b) दालती दा धंधा कविता च।

(c) औंगल फड़ी बसंता ने कविता च। (d) लक्खै दा बनी गेआ कक्ख लोको।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (b), (c) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (b) ते (d) ठीक न। (4) (a), (c) ते (d) ठीक न।

52. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	'अयोध्या' नाटक-इक मूल्यांकन।	(i) चम्पा शर्मा
(b)	स्वामी ब्रह्मानंद हुंदी कविता च सूफी रंगत।	(ii) सुषमा शर्मा
(c)	डोगरी दे त्रै मकबूल गज़ल-गो शायर।	(iii) शशि पठानिया
(d)	कलीरे दी कौड्डी-परख दी कसौटी पर।	(iv) वीणा गुप्ता

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

53. विद्याधर, मम्मट, विश्वनाथ ते केशव मिश्र विद्वान लेखकें दे क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ती दियें पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) अलंकार शेखर, काव्यप्रकाश, साहित्य दर्पण ते एकावली।

(2) एकावली, काव्यप्रकाश, साहित्य दर्पण ते अलंकार शेखर।

(3) अलंकार शेखर, एकावली, काव्यप्रकाश ते साहित्य दर्पण।

(4) एकावली, साहित्य दर्पण, काव्यप्रकाश ते अलंकार शेखर।

54. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : लोक गाथाएं च अपने समें ते समाज दे कन्नै-कन्नै अपने प्रदेश दी कश्बोऽ बी मौजूद रौंह्दी ऐ।

(R) : लोकगाथां कुसै घटना दे कारण गै बनदियां न ते घटना दे कन्नै-कन्नै उत्थूं दे वातावरण दा ओह्दे च चित्रत होना सभावक होंदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक ऐ ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

55. राह्ड़ें दा पर्व मनाया जंदा ऐ :

(a) सौन म्हीने दी संगरांदी शा भाद्रो म्हीने दी संगरांदी तगर।

(b) भाद्रो म्हीने दी संगरांदी शा अस्सूं म्हीने दी संगरांदी तगर।

(c) कुआरियें ते ब्याह्ता कुड़ियें द्वारा।

(d) बुज़ुर्ग लोकें द्वारा।

(1) (a) ते (c) ठीक न। (2) (b) ते (d) ठीक न।

(3) (a) ते (d) ठीक न। (4) (c) ते (d) ठीक न।

56. मोहनकृष्ण दर दी लोकगीतें बारै धारणा ऐ :

(1) लोकगीतें च संगीत दे काव्य दा मेल होंदा ऐ।

(2) लोकगीत साढ़े जीवन-विकास दा इतिहास न।

(3) लोकगीत आप मुहारे फुरदे न।

(4) लोकगीत रसै नै भरपूर होंदे न।

57. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	ढोलड़ू	(i) खेत्तरें च कम्म करदे गाया जाने आह्ला गीत।
(b)	लाद्दी	(ii) कच्चे कोठे पर मिट्टी पांदे गाया जाने आह्ला गीत।
(c)	गरलोड्डी	(iii) जोगी द्वारा चेत्तर म्हीनै गाया जाने आह्ला गीत।
(d)	सुहाड़ी	(iv) भार चुकदे बेल्लै गाया जाने आह्ला गीत।

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

58. 'पैंथा ते अर्जां लान्नी आं', 'घर-घर दुर्गा सिमरी ऐ', 'तनै दी चाटी मनै दी मधानी', 'सौरीं बे सौरीं दुर्गे रानिये' लोकगीतें दे इ'नें मुखड़ें दे क्रम दे स्हाबें इं'दे गीतें दे नाएं दा क्रम ऐ :

(1) पैंथा, भेट, गुजरी, भजन
(2) पैंथा, भजन, गुजरी, भेट
(3) भेट, भजन, पैंथा, गुजरी
(4) गुजरी, भेट, पैंथा, भजन

59. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : लोकगीत कविता आंगर बिल्कुल उस्सै रूपा च नेईं रौंह्दा, बल्के बदलदा रौंह्दा ऐ।

(R) : लोकगीतें दे मुखड़े नेईं बदलोंदे भामें उं'दे च होर चाल्ली दे बदलाऽ होंदे रौंह्दे न।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।
(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।
(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।
(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

60. ''लोकगीत कुसै संस्कृति दे मूंह-बोलदे चित्तर न।'' परिभाशा दित्ती दी ऐ :

(1) के.बी. दास ने।
(2) कुंदन लाल उप्रेती ने।
(3) कृष्ण देव झारी ने।
(4) वासुदेव शरण अग्रवाल ने।

61. 'पिछलग्गा' अनूदित पुस्तक :

(a) इक उपन्यास ऐ।
(b) इक नाटक ऐ।
(c) दा अनुवादक यश रैणा ऐ।
(d) दा मूल स्रोत गुजराती भाशा ऐ।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न।
(2) (a), (c) ते (d) ठीक न।
(3) (b), (c) ते (d) ठीक न।
(4) (a), (b) ते (c) ठीक न।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	अर्थपरक सिद्धांत	(i) नोअम चॉम्स्की
(b)	संरचनापरक सिद्धांत	(ii) जुलियाना हाउस
(c)	प्रकार्य सिद्धांत	(iii) ऑग्डन ते रिचर्ड्स
(d)	भाशा-विज्ञानक सम्प्रदाय	(iv) कैटफर्ड ते फर्थ

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

63. टैंकॉक, जार्ज, हेनरी सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ते शावरमैन क्रम दे स्हाबें इं'दियें परिभाशाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) अनुवादक गी दो मूंह् रक्खने पौंदे न, अनुवाद मूल दा रूपांतरण नेईं होई सकदा, अनुवाद करना पाप ऐ ते विचारें जां अभिप्राय गी दूई भाशा च बुहास्सना अनुवाद ऐ।

(2) विचारें जां अभिप्राय गी दूई भाशा च बुहास्सना अनुवाद ऐ, अनुवाद करना पाप ऐ, अनुवाद मूल दा रूपांतरण नेईं होई सकदा ते अनुवादक गी दो मूंह् रक्खने पौंदे न।

(3) अनुवाद मूल दा रूपांतरण नेईं होई सकदा, अनुवाद करना पाप ऐ, विचारें जां अभिप्राय गी दूई भाशा च बुहास्सना अनुवाद ऐ ते अनुवादक गी दो मूंह् रक्खने पौंदे न।

(4) अनुवादक गी दो मूंह् रक्खने पौंदे न, अनुवाद मूल दा रूपांतरण नेईं होई सकदा, विचारें जां अभिप्राय गी दूई भाशा च बुहास्सरना अनुवाद ऐ ते अनुवाद करना पाप ऐ।

64. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : साहित्य-अनुवाद च साहित्य दियें सभनें विधाएं आस्तै इक्कै जनेही अनुवाद-प्रक्रिया लागू होंदी ऐ।

(R) : हर-इक अनुवादक लेई साहित्य दियें सभनें विधाएं च उं'दे मताबक लुआज़मात दा ध्यान रक्खना जरूरी ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

65. ''अनुवाद इक नारी आह्ला लेखा होंदा ऐ जेकर शैल होग तां वफादार नेईं होग ते जेकर वफादार होग तां शैल नेईं।''

(1) गलाए दा ऐ - सैमुअल जॉनसन ने। (2) गलाए दा ऐ - वाल्टेयर ने।

(3) इक इतालवी खोआन ऐ। (4) इक परिभाशा ऐ।

66. इक सफल अनूदित रचना :

(a) च मूल च आत्मा होंदी ऐ।

(b) मूल दी प्रेरणा होंदी ऐ।

(c) च मूल कृति कशा छूट लैने दी कोई गुजैंश नेईं होंदी।

(d) पुनर्सृजन होंदी ऐ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (a), (c) ते (d) ठीक न। (4) (b), (c) ते (d) ठीक न।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी - I		**चंदी - II**
(a)	अक्खर गास	(i)	1993 ई.
(b)	सुनो एह् क्हानी	(ii)	1995 ई.
(c)	गोट्या	(iii)	2001 ई.
(d)	धारां ते लोरे	(iv)	2004 ई.

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

68. कगार की आग, गृहदाह, वादियां और वीराने ते रानाताली रात-मूल रचनाएं दे स्हाबें इं'दियें अनूदित रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) चाननी दे चोर, लोरे, धारां ते लोरे ते जंगलै दी इक रात।

(2) लोरे, धारां ते लोरे, चाननी दे चोर ते जंगलै दी इक रात।

(3) धारां ते लोरे, लोरे, चाननी दे चोर ते जंगलै दी इक रात।

(4) लोरे, चाननी दे चोर, जंगलै दी इक रात ते धारां ते लोरे।

69. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : जन संचार दे आकाशवाणी माध्यम दा लाभ शिक्षत जनता दे कन्नै-कन्नै अशिक्षत जनता गी बी खासा होआ ऐ।

(R) : की जे इस माध्यम दी आवाज़ राहें हर कुसै तगर पौंह्च ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

70. चौक पूरना :

(1) लोक नाच दी इक किस्म ऐ।

(2) लोक चित्रकला दी इक किस्म ऐ।

(3) लोक गीत दी इक किस्म ऐ।

(4) लोक संगीत दी इक किस्म ऐ।

71. लोक साहित्य :

(a) कुसै खास समुदाय दी अभिव्यक्ति ऐ। (b) अभिव्यक्ति दा सरलतम माध्यम ऐ।

(c) मनोरंजन दा खर्चीला माध्यम ऐ। (d) मनोरंजक ते ज्ञानवर्धक होंदा ऐ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न। (2) (a), (b) ते (d) ठीक न।

(3) (b) ते (d) ठीक न। (4) (a) ते (d) ठीक न।

72. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी - I	**चंदी - II**
(a) आलम आरा	(i) आधुनिक संचार माध्यम
(b) कठपुतली	(ii) हिंदी दी पैह्ली बोलदी फिल्म
(c) कंप्यूटर ते इंटरनेट	(iii) डोगरी दा पैह्ला हफ्ताबार अखबार
(d) रणवीर	(iv) परम्परागत संचार माध्यम

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

73. संचार दी प्रक्रिया दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) समझना, बोलना, सुनना। (2) बोलना, सुनना, समझना।

(3) समझना, सुनना, बोलना। (4) सुनना, समझना, बोलना।

74. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक गी **(A) (असर्शन)** यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी **(R) (रीज़न)** यानि कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) : कठपुतली प्रदर्शन दा मनुक्खी मनै पर डूंह्गा असर पौंदा ऐ।

(R) : पर जीवंत नाटकें दे मकाबले च एह् परम्परागत माध्यम आधुनिकता दी द्रोड़ च पिछड़दा जा करदा ऐ।

(1) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या ऐ।

(2) **(A)** ते **(R)** दोऐ ठीक न ते **(R), (A)** दी स्हेई व्याख्या नेईं ऐ।

(3) **(A)** ठीक ऐ ते **(R)** गल्त ऐ।

(4) **(A)** गल्त ऐ ते **(R)** ठीक ऐ।

75. भीति-चित्रें दा सरबंध ऐ :

(1) लोक-कला कन्नै (2) आधुनिक-कला कन्नै

(3) मूरती-कला कन्नै (4) नृत्य-कला कन्नै

- o 0 o -

Space For Rough Work